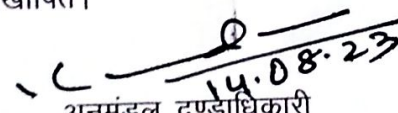
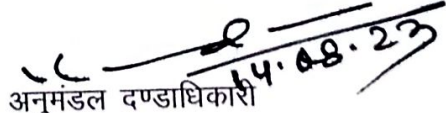


वाद सं० - 81/2023  
 जैनुल अंसारी  
 अदीन अंसारी

क्र० - 144 दं० प्र० सं०  
 प्रथम पक्ष  
 द्वितीय पक्ष

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्यवाही के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
14.08.23	<p style="text-align: center;"><b>आदेश</b></p> <p>यह वाद आवेदक जैनुल अंसारी पिता स्व० सुरमली मियाँ साकिन - उर्रो, थाना - सरिया, जिला - गिरिडीह के आवेदन के आधार पर प्रारम्भ किया गया।</p> <p>प्रथम पक्ष के जैनुल अंसारी पिता स्व० सुरमली मियाँ बनाम द्वितीय पक्ष के अदीन अंसारी पिता स्व० सुकर मियाँ को प्रश्नगत भूमि पर धारा - 144 दं० प्र० सं० कि प्रक्रिया प्रारम्भ कर उभय पक्षों को प्रश्नगत भूमि पर जाने से रोक लगाई गई साथ ही उभय पक्षों को नोटिस निर्गत कर प्रश्नगत भूमि के दावे के समर्थन में कारण पृच्छा की मांग गई। प्रश्नगत भूमि का विवरण निम्न प्रकार है।</p> <p>मौजा - उर्रो, थाना - सरिया, जिला - गिरिडीह के अन्तर्गत खाता नं० - 67, प्लॉट नं० - 1188, रकबा - 1.40 एकड मध्ये 20 डी० चौहदी उ० - मनी मियाँ, दं० - परती कदीम, पू० - कुसल मियाँ, पं० - होरिल मियाँ।</p> <p>अभिलेख में उपलब्ध कागजातों थाना प्रभारी सरिया के जाँच प्रतिवेदन का अवलोकन करने वो उभय पक्षों के विद्वान अधिवक्ता के कथन सुनने से स्पष्ट होता है कि यह मामला भूमि के हक हकियत से संबंधित है। साथ ही इसका उल्लेख करना समीचीन होगा कि इस वाद में पारित आदेश जैसा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने कर्नाटक राज्य बनाम प्रवीण भाई थोगडिया [Appeal (Crl.)401 of 2004] कहा है कि ".....more preventive in nature and not punitive in their effect and consequences". अतः किसी के पक्ष में आदेश पारित करना उचित नहीं होगा।</p> <p>अतः काल बाधित होने के कारण वाद कि कार्यवाही समाप्त कि जाती है।      लेखापित।</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around; margin-top: 20px;"> <div style="text-align: center;"> <p>              अनुमंडल दण्डाधिकारी              बगोदर-सरिया</p> </div> <div style="text-align: center;"> <p>              अनुमंडल दण्डाधिकारी              बगोदर-सरिया</p> </div> </div>	